सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–304

08–03–2010

राइस मिलिंग टेक्नोलॉजी और अनाज–भंडारण पर कार्यशाला सासाराम में

पटना 8 मार्च :: खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में कार्यरत इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ क्रॉप प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी–तंजावुर (तामिलनाडु) के सहयोग से बिहार में ग्रैमी फूड लैबोरेटरीज द्वारा सासाराम में 10 तथा 11 मार्च को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में राइस मिलिंग टेक्नोलॉजी तथा अनाज–भंडारण के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला जाएगा। इन पहलुओं पर चर्चा करने के लिए आई0आई0सी0पी0टी0 के वैज्ञाानिक तथा फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के प्रबंधकगण कार्यशाला में शामिल होंगे। राज्य में उतरोतर विकास के नित नए आयामों को छूती वी0एन0पी0एल0 फुड प्रोडक्ट्स के वरीय पदाधिकारी भी इस कार्यशाला को संबोधित करेंगे।

प्राप्त सूचनानुसार सासाराम स्थित बहूद्देशीय हॉल में आयोजित इस कार्यशाला के प्रथम दिवस अर्थात् 10 मार्च को वी0एन0पी0एल0 फूड प्रोडक्ट्स के फूड सेफ्टी एंड क्वालिटी एश्योरेंस के सलाहकार डा0 दामोदर प्रसाद सिंह स्वागत भाषण करेंगे, रोहतास जिला के राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रेसीडेंट श्री राम अवध सिंह पटेल विशेष संबोधन करेंगे, आइ0आई0सी0पी0टी–तंजावुर के वैज्ञाानिक श्री एस0 कुमारवेला अपने संस्थान सहित राइस मिलिंग के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराऍगें, एफ0सी0आई0(पटना) के उप–महाप्रबंधक श्री प्रशांत के0 सत्पथी बिहार में राइस मिलिंग इंडस्ट्री का पक्ष रखेंगे तथा ग्रैमी फूड लैबोरेटरीज के डा0 दामोदर प्रसाद सिंह द्वारा राइस मिलिंग के परिप्रेक्ष्य में फूड लैबोरेटरीज के लाभप्रद उपयोगों पर प्रकाश डाला जाएगा। इस कार्यशाला में आई0आई0सी0पी0टी की श्रीमती एस0 सुलोचना तथा श्री एस0 कुमारवेल तथा एफ0सी0आई0 (पटना) के श्री प्रशांत के0 सत्पथी बतौर वक्ता भी भाग

लेंगे। इन वक्ताओं के द्वारा धान के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, चावल उत्पादन–क्रम में ऊर्जा–संरक्षण, चावल के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, राइस मिलिंग इंडस्ट्री में बाई–प्रोडक्टस के उपयोग, एफ्लूएंट वाटर–ट्रीटमेंट से प्रदूषण–नियंत्रण तथा चावल उत्पादों के विकास पर व्याख्यान दिए जाएँगे।

ज्ञातव्य है कि कार्यशाला के दूसरे दिन अर्थात् 11 मार्च को आई0आई0सी0पी0टी के वैज्ञानिकों द्वारा राइस मिलों का भ्रमण कर वहाँ की समस्याओं का निदान किया जाएगा। खाद्य–प्रसंस्करण की दिशा में यह कार्यशाला उद्योगपतियों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होगी, क्योंकि उत्पादन हेतु प्रयासरत उद्योगपतियों को उत्पादन–क्रम में सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं का सामान्य तथा वैज्ञानिक समाधान कुशल वैज्ञानिकों द्वारा प्राप्त होगा।

————————————